

Հիսուս Քրիստոսի քափությունը հնարավոր է դարձնում փրկությունը:



**Նախաերկրային կյանք**

Վարդապետություն և  
Ուխտեր 29.36-37

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



**Արարում և Անկում**

Վարդապետություն և  
Ուխտեր 29.31-33, 40-41

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



**Մահկանացու կյանք**

Վարդապետություն և  
Ուխտեր 29.39-45

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



**Հոգևոր աշխարհ**

Վարդապետություն և  
Ուխտեր 138.29-37

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



**Հարություն և  
դատաստան**

Վարդապետություն և  
Ուխտեր 29.12-13, 26-30

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



**Փառքի  
արքայությունները**

Վարդապետություն և  
Ուխտեր 76.50-98

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---